कुल मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 2 **CVG-001**

वैदिक गणित में प्रमाणपत्र कार्यक्रम (सी.वी.जी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2023

सी.वो.जी.-001 : संस्कृत में गणितीय परम्परा

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *इस प्रश्नपत्र में* ***दो*** *खण्ड हैं। दोनों ही खण्डो के प्रश्नों के उत्तर देने हैं।*

खण्ड-क

1. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 4×20=80

   (क) वैदिक गणित की विशेषताएँ लिखते हुए त्रैराशिक नियम का वर्णन कीजिए।

   (ख) प्राचीन भारतीय गणित का विस्तृत परिचय दीजिए।

   (ग) लीलावती भाग-1 के अनुसार द्रोणादिमानम्, यवनप्रचारितमानम्, योजनादिमानम्, घनहस्तादिमानम् का विस्तृत वर्णन कीजिए।

(घ) संख्यास्थानानि और संख्यासारणि प्रणाली के विदेशों में प्रसार पर लेख लिखिए।

(ङ) वर्ग एवं घन की परिभाषा और स्वरूप बताते हुए वर्गमूल की भागविधि और घनमूल की भागविधि को स्पष्ट कीजिए।

(च) जैनकालीन और बौद्धकालीन गणित पर प्रकाश डालिए।

खण्ड-ख

2. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** पर टिप्पणियाँ लिखिए : $4 \times 5 = 20$

(क) बीजगणित

(ख) शून्य

(ग) अंगुलादिमानम्

(घ) याजुष ज्योतिष

(ङ) वैदिक गणित की विशेषताएँ

(च) कलन